

AINOI - RESURRECTIONAL STICHERON 6

6. Αἰ - νεῖτε αὐτὸν ἐν κυβάλοις εὐήχοις, αἰ - νεῖτε αὐτὸν ἐν κυβάλοις ἀλαλαγμοῦ.
E - nite afton en kimvalis efichis, e - nite afton en kimvalis alalaghmu.

Πᾶ - σα πνο - ἡ αἰ - νε - σά - τω τὸν Κύ - ρι - ον. Πέ - τραι ἐ - σχί - σθη -
Pa - sa pno - i e - ne - sa - to ton Ky - ri - on. Pe - tre e - schi - sthi -

- σαν Σω - τήρ, ὅ - τε ἐν τῷ Κρα - νί - ω ὁ Σταυ - ρός σου ἐ - πά - γη,
- san So - tir, o - te en to Kra - ni - o o Stav - ros sou e - pa - ghi,

ἔ - φρι - ξαν ἄ - δου πυ - λω - ροί, ὅ - τε ἐν τῷ μνη - μεί - ω ὡς θνη - τὸς
e - fri - xan a - dhou pi - lo - ri, o - te - en to mni - mi - o os thni - tos

κα - τε - τέ - θης· καὶ γάρ του θα - νά - του κα - тар - γή - σας τὴν ἰ -
ka - te - te - this; ke ghar tou tha - na - tou ka - tar - ghi - sas tin i -

- σχύν, τοῖς τε - θνε - ῶ - σι πά - σιν ἀ - φθαρ - σί - αν πα - ρέ - σχες, τῇ Ἀ - να - στά - σει
- schin, tis te - thne - o - si pa - sin a - fthar - si - an pa - re - sches, ti A - na - sta - si

σου Σω - τήρ. Ζω - ο - δό - τα Κύ - ρι - ε δό - ξα σοι.
sou So - tir. Zo - o - dho - ta Ky - ri - e dho - xa si.